



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 119]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 3, 1987/ज्येष्ठ 13, 1909

No. 119)

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 3, 1987/JYAISTHA 13, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अस्तग मकलन के क्षेत्र में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

### पारिषद्य संशोधन

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना में 185 आई टी. सी. (पी. एन.)/85-88

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

विषय —प्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात-नियंत्रण नीति।

फा. स. 3/92/85-ई. पी. सी. —वाणिज्य मकालय की  
सार्वजनिक सूचना संख्या 1-आई. टी. सी. (पी. एन.) / 85-88,  
विनांक 12 प्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित प्रैल 1985—मार्च  
1988 के लिए व्यापारात्मिक आयात-नियंत्रण नीति की ओर ध्यान दिलाया  
जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित योग्योधन नीति निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों  
पर किए जाएंगे—

क्रम सं	प्रायात- नियंत्रण नीति 1985-88 (खण्ड-1) की पृष्ठ संख्या	मंदिर नीति	संशोधन
1	2	3	4
(1)	238	परिषिष्ट—17 कम संख्या क-51	वर्तमान विवरण को निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा—
	(3)	कालम संख्या—4	(क) फाइलों के बनाने के लिए संख्या—4 कार्बन/मिश्र धातु इस्पात में प्रोफाइल/वारम तथा राइस”

(2)	241	परिषिष्ट—17 कम संख्या क.87 कालम संख्या—4	कालम संख्या (4) में वर्तमान भद्र संख्या (ब) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा— “(ग) कोल्ड रोल्ड हाई कार्बन (कार्बन 0.6% तथा उसमें अधिक वजन का) स्टील स्ट्रिप्स”।
-----	-----	--	---

3. आयात संयुक्त की सार्वजनिक सूचना सं. 2—आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88, वित्तीक 12 प्रतील, 1985 के अधीन प्रकाशित यथा संशोधित आयात नियंत्रित प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 की ओर आय वित्ताया आता है। उक्त प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन उपर्युक्त स्थानों पर निम्न प्रकार से किए जाएँगे:—

क्रम सं.	आयात-नियंत्रित प्रक्रिया 1985-88 की पृष्ठ संख्या	संवर्ग संशोधन	
1	2	3	4
(1)	63 आयात—14	परमानं पैरे 337 के बाद निम्नलिखित नया पैरा जोड़ा जाएगा:—	

“नियंत्रितों के मूल बैंक प्रमाण-पत्र का खोया जाना 337क. (1) नियंत्रितों के मूल बैंक प्रमाण-पत्र के खोए जाने पर पंजीकृत नियंत्रितों के पार ही पीलाइसेंसों के आवेदन पत्रों पर उन सम्बद्ध लाइसेंसिंग कार्यालयों द्वारा विचार किया जाएगा जिसका प्रधान संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित के स्तर से कम का अधिकारी न हो और जिसके क्षेत्राधिकार के भीतर कम्पनी/कर्म का पंजीकृत/प्रधान कार्यालय स्थित हो यदि पात्र आवेदक का कार्यालय, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित से कम के स्तर के अधिकारी के लाइसेंसिंग कार्यालय के क्षेत्राधिकार के भीतर आता हो तो आवेदन-पत्र सीधे ही सम्बद्ध भीत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित के कार्यालय को भेजे जाएंगे परन्तु आवेदन की एक अतिरिक्त प्रति इस उप/सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित को भेजो जाएगी जिसके क्षेत्राधिकार में आवेदक आता हो। ऐसे आवेदन-पत्रों के साथ निम्नलिखित दस्तावेज भेजे जाएंगे:—

- (i) पोत परिवहन बिल की ही प्रति,
- (ii) मूल रूप में सभी नियंत्रित दस्तावेज,
- (iii) सम्बन्धित बैंक द्वारा खोए गए मूल के छद्मे में आरी किए गए “नियंत्रित के बैंक प्रमाण-पत्र” की अनुसिद्धि प्रति,

1 2 3 4

(iv) मूल बैंक प्रमाण पत्र खो जाने के बारे में और यह आयतों करने के बारे में कि यदि बाद में वह मिल गया तो उसे सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी को लौटा दिया जाएगा नियंत्रित द्वारा एक शायद पत्र, और

(v) इस बारे में नियंत्रित द्वारा कार्तिपूर्ति बन्धपत्र की वह खोए हुए बैंक प्रमाण-पत्र के मूले जारी किए गए आर ही पीलाइसेंसों के कारण यदि कोई, वित्तीय नुकसान हो गया है तो वह उसकी रूपरूप संतुष्टिपूर्ति करेगा।

(2) इस पुस्तक के पैरा 322 और 323 के ग्रावर्डों के बाजू दोनों ओर हुए मूल बैंक प्रमाण-पत्र के मूले दावे, नियंत्रितों का तिथि से छः महीने की अवधि के भीतर प्रत्यक्ष किए जाएंगे। छः महीने की उपर्युक्त अधिकारी के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों को ग्रावर्डों को ग्रस्तीकार कर दिया जाएगा।

(3) ऐसे सभी मामलों में, लाइसेंस प्राधिकारी नियंत्रितों के मूल बैंक प्रमाण पत्र के बो जाने पर आई ही पीलकारी पर 10 प्रतिशत कटौती लगाएंगे। यह 10 प्रतिशत को कटौती प्रत्यक्ष नियंत्रित कटौतियों के अतिरिक्त होगी।”

4. आयात एवं नियंत्रित नीति 1985-88 (खण्ड-1) और आयात नियंत्रित प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 में उपर्युक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

#### हस्ताक्षरित

राजीव लोकम नियंत्रित प्रति, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियंत्रित प्रतिभा भीड़न, उप मुख्य नियंत्रक, आयात व नियंत्रित कटौते मुख्य नियंत्रक, आयात व नियंत्रित

#### MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 185-ITC(PN)/85-88  
New Delhi, the 3rd June, 1987

Subject : Import & Export Policy for April 1985–March 1988

F. No. 3/92/85-EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/85-88 dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments shall be made in the policy at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I)	Reference	Amendments		
			(1)	(2)	(3)
(1) 238	Appendix-17 Sl. No. A.51 (iii) Column No. 4	Appendix-17 Sl. No. A.51 Column No. 4	The existing description shall be amended as under : “(a) Profiles/Bars and Rods in Carbon/Alloy Steel for manufacture of files.”	(4)	
(2) 241	Appendix-17 Sl. No. A.87 Column No. 4	In column No. 4, after the existing item (b) the following shall be added : “(c) Cold Rolled High Carbon (Carbon 0.6% and above by weight) Steel Strips.”			

3. Attention is also invited to the Handbook of Import-Export Procedures, 1985-88 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITCPN)/85-88 dated the 12th April, 1985 as amended. The following amendments shall be made in the said Hand-Book at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Hand-Book of Import- Export Procedures, 1985-88	Reference	Amendments		
			(1)	(2)	(3)
(1) 63	Chapter-XIV	After the existing para 337, the following new para shall be added :  “LOSS OF ORIGINAL BANK CERTIFICATE OF EXPORTS 337A. (1) In the case of loss of original Bank certificate of exports, applications for grant of REP licences may be considered from the registered exporters by the concerned licensing offices which is headed by an officer not below the rank of a Joint Chief Controller of Imports and Exports within whose jurisdiction the registered/ head office of the company/ firm is located. In case	(4)		

the office of the eligible applicant falls within the jurisdiction of a licensing office which is headed by an officer below the rank of Joint Chief Controller of Imports & Exports, the application shall be made directly to the concerned Zonal JCCI&E but one additional copy may be sent to the Dy./Asstt. CCI&E in whose jurisdiction the applicant falls. Such applications shall be accompanied by the following documents :—

- (i) E.P. Copy of the Shipping Bill;
- (ii) All the prescribed documents in original;
- (iii) Duplicate copy of the ‘Bank Certificate of Export’ issued in lieu of the original lost, by the concerned bank;
- (iv) An affidavit by the exporter about loss of original bank certificate and promising that the same would be surrendered to the concerned licensing authority in case the same is subsequently found; and
- (v) An indemnity bond by the exporter to the effect that he would indemnify the Govt. for the financial loss, in rupees if any, on account of REP licences issued against the lost bank certificate.

- (2) Notwithstanding the provisions of para 322 and 323 of this Book, the claims against the lost original bank certificate shall be preferred within a period of six months from the date of exports. Applications received after the said period of six months will be rejected.

(1) (2) (3) (4)

(3) In all such cases the licensing authorities will impose a 10% cut on REP entitlement for loss of original Bank Certificate of exports. This 10% cut will be in addition to the other prescribed cuts."

4. The above amendments in the Import & Export Policy, 1985-88 (Vol. I) and the Handbook of Import-Export Procedures, 1985-88 have been made in Public interest.

R. L. MISRA,  
Chief Controller of Imports & Exports

P. MOHAN, Dy. Chief Controller or Imports  
& Exports  
For Chief Controller or Imports & Exports